मार्ग दर्शक पत्रिका

मैं विगत तीन वर्षों से विज्ञान प्रगति का पाठक हूँ। जुलाई 2015 तक विज्ञान प्रगति पढ़ने में आंखों पर बहुत जोर पड़ता था लेकिन अगस्त 2015 के अंक को देखकर प्रसन्नता हुई क्योंकि अब इसका फोन्ट साइज बढ़ गया है और अब पढ़ने पर बहुत सकून महसूस हो रहा है। विज्ञान प्रगति की भाषा बहुत ही सरल होती है इसकी डिजाइनिंग व फोटो भी बहुत पसंद आते हैं। हाल ही में मैंने विज्ञान प्रगति का सितम्बर 2015 अंक पढ़ा बहुत पसंद आया इस अंक की आमुख कथा साइनिंग डिजिटल इंडिया तथा विशेष लेख पढ़कर भारत में डिजिटल

क्षेत्र में हुई प्रगति तथा आगे की योजनाओं के विषय में ज्ञात हुआ। सोलर ऊर्जा, एयरबस ए-380 के बारे में पढ़कर महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त हुआ। गेंदा और पनीर डोडा के औषधीय गुणों के बारे में पढ़कर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुआ। मेंढकी का दर्द लेख पढ़कर हमें अपने ऊपर शर्म आनी चाहिए। इन लेखों के अलावा सवाल जवाब, विज्ञान क्विज़, विज्ञान गल्प व विज्ञान समाचार भी बहुत पसंद आए। मैं विज्ञान प्रगति की टीम से आशा करता हूँ कि इसी प्रकार के संतुलित लेख प्रकाशित कर हम जैसे दूर दराज के ग्रामीण छात्रों को मार्ग दर्शन करते रहे।

श्री ऋतिक, सुपुत्र श्री जगवीर सिंह
गांव-गुठावली खुर्द, डाकखाना-गुठावली कला, जिला-बुलंदशहर (उ.प्र.)

संग्रहणीय अंक

मैं वर्ष 2007 से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और मुझे यह पत्रिका रोचक, अद्वितीय एवं ज्ञानवर्धक लगती है। मैं विज्ञान प्रगति को दिव्य ज्ञान की ज्योति मानता हूँ, क्योंकि इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त होने वाली नवीन जानकारियाँ विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के लिए बहुपयोगी और ज्ञानवर्धक होती हैं। विज्ञान प्रगति के सितम्बर 2015 के अंक में प्रकाशित लेख 'औषधीय पौधा पनीर डोडा' के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जो मुझे ज्ञात नहीं थी। इस महत्वपूर्ण अंक के प्रकाशन के लिए विज्ञान प्रगति की समस्त टीम बधाई की पात्र है।

श्री विमल वर्मा,
मोहल्ला-दुर्गाप्रसाद, बीसलपुर, जिला-पीलीभीत 262201(उ.प्र.)

विज्ञान की जिज्ञासा

मैं विज्ञान प्रगति का मार्च 2013 से नियमित पाठक हूँ। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है की विज्ञान प्रगति मेरे जीवन की अभिन्न पत्रिका है। इसमें तकनीकी, भविष्य का समय, मानव की कल्पना, प्राकृतिक आपदा, वर्तमान पीढ़ी की भौतिक सुविधाओं का नुकसान, विज्ञान के सोच विचार तथ्यों पर आधारित तथा किसी विशेष दिवस पर जारी ज्ञान के भंडार ने मुझे सोचने पर मजबूर किया है। विज्ञान

प्रगति के रोचक लेखन कार्य के प्रकाशन के लिए विज्ञान प्रगति की समस्त टीम बधाई की पात्र है मैं आशा करता हूँ कि विज्ञान प्रगति इसी तरह निरंतर नई-नई जिज्ञासा के साथ प्रकाशित हो..... धन्यवाद!

श्री बींजाराम कुमावत सुपुत्र श्री गंगाराम कुमावत, ग्राम-मंडालीया मुंगेरिया, तहसील-शिव, जिला-बाड़मेर (राजस्थान)
[मो. : 09772709071, 09772732774;
ई-मेल : binjaram2@gmail.com]

नवीनतम जानकारी पत्रिका

'विज्ञान प्रगति' प्रति माह नवीनतम जानकारी लेकर आती है। सामत्रिक सारगर्भित सामग्री की विशिष्टता है सरल शैली। इसलिए इस पत्रिका को पढ़ते समय सरसता एकाग्रता बनी रहती है एवं शब्दकोश की आवश्यकता नहीं होती। विज्ञान गल्प, विज्ञान क्विज़, विज्ञान कविता पत्रिका को जीवन्त बनाती है। विज्ञान समाचार से नवीनतम जानकारी उपयोगी होती है। मुझे कैरियर, समय, जीवन, कलाम सर-इन चारों पुस्तिकाओं को लिखते समय विज्ञान प्रगति के पुराने अंकों से बहुमूल्य रत्न मिले कृतज्ञ हूँ। पत्र लेखन में रुचि बढ़ाने हेतु सर्वश्रेष्ठ पत्र को पुरस्कृत करने पर विचार किया जा सकता है। विज्ञान प्रतिभाओं से साक्षात्कार एवं विज्ञान एकांकी के समावेश से भी पत्रिका आकर्षक बन सकती है। नियमितता, निरन्तरता, गणुवत्ता बनाए रखने के लिए साधुवाद।

श्री दिलीप भाटिया
372/201, न्यूमार्केट, रावतभाटा 323307, (राजस्थान) [मो. : 09461591498;
ई-मेल : dileepkailash@gmail.com]

ज्ञानवर्धक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मेरे पत्र को सितम्बर 2015 में स्थान प्राप्त हुआ, जिसका मैं आजीवन ऋणी रहूँगा।

साइनिंग डिजिटल इंडिया का अंक बहुत ही ज्ञानवर्धक लगा एवं भारत सरकार द्वारा शुरू किये गए डिजिटल प्रोग्राम के बारे में सम्पूर्ण जानकारी हासिल हुई। शुभदा कपिल जी द्वारा लिखी गयी नवीन जानकारी अत्यधिक ज्ञानवर्धक लगी। क्या खाते पीते हैं अंतरिक्ष में यात्री लेख। ज्ञान से भरपूर लगा। वर्ग पहेली और सामान्य विज्ञान का कॉलम प्रतियोगी परीक्षा की दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। सूक्ष्मजीवों की दुनिया लेख द्वारा किशन कुमार जी का सहयोग अत्यधिक उपयोगी लगा।

श्री देवेश त्रिपाठी, ग्राम व पो.-मेंहदूपार, जिला-संतकबीर नगर (उ.प्र.) [मो. : 09161008183]